FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Master of Arts in HINDI (Semester:III)

(Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System)

Session: 2023-24

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

KANYA MAHA VIDYALAYA,JALANDHAR(AUTONOMOUS)

SCHEME AND CURRICULAM OF EXAMINATION
OF TWO YEAR DEGREE PROGRAMME
CREDIT BASED CONTINUOUS EVALUATION GRADING SYSTEM (CBCEGS)
Session 2023-24
Programme: Masters of Arts in Hindi
(Semester III)

Master of Arts (Hindi) Semester III										
Course Code	**Course Name**	**Course Type**	**Hrs/ Weeks**	**Credits L.T.P**	**Marks**					**Examination time (in Hours)**
					Total Credits	**Total**	**Ext.**			
							L	**P**	**CA**	
MHIL -3261	आधुनिक हिंदी काव्य:द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL -3262	आधुनिक गद्य साहित्य	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL -3263	भाषा विज्ञान	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL - 3264	पत्रकारिता प्रशिक्षण	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL- 3265	चित्रा मुद्गल:विशेष अध्ययन	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL- 3266 (Opt---) (विद्यार्थी अग्रलिखित विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है)	गुरु नानक देव जी (Opt-i)	O	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
	सूरदास (Opt-ii)	O	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
	हिंदी कहानी (Opt-iii)	O	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3

(विद्यार्थी अग्रलिखित अन्तर्ज्ञानानुशास्रात्मक (interdisciplinary) विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है)	**IDE**	**4**	**-**	4	100	80	-	20	3
Total		**24**	**24**		**480**				
IDEC-3101 IDEM-3362 IDEH-3313 IDEI-3124 IDEW-3275	Effective Communication Skills Basics of Music(Vocal) Human Rights And Constitutional Rights Basics of Computer Applications Indian Heritage : Contribution to the world (Credits of these courses will not be added to SGPA)								

C-Compulsory
O-Optional
IDE-Inter Disciplinary Elective Course
IDC- Inter Disciplinary compulsory Course

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023-24

Course Code: MHIL - 3261

आधुनिक हिंदी काव्य : द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद

Course Outcomes:

CO-1: इस पाठ्यक्रम के माध्यम से कवि आधुनिक हिंदी काव्य में भाव,भाषा और शिल्प के स्तर पर नवीन,सार्थक एवं सशक्त इन कवियों के काव्य का रसास्वादकरते हुए हिंदी कविता के विकास को सहज रूप में जानेंगें |

CO-2: इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के प्रस्थान बिंदु द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रवृतियों से परिचित होंगें और खड़ी बोली हिंदी कविता के विकास क्रम में इस युग में रचित कविता की विशिष्टता को समझेंगे |

CO-3: आधुनिक युग में खड़ी बोली हिंदी के पहले महाकाव्य कामायनी के माध्यम से तत्कालीन परिस्थितियों के समानांतर भारतीय जनमानस के अन्त: संघर्ष को समझने के साथ-साथ विद्यार्थी आधुनिक साहित्य के सामाजिक,दार्शनिक,मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य और आशय को समझने में सक्षम होंगें|

Co-4: इससे विद्यार्थी एक समय की सामाजिक परिस्थितियों की सापेक्षता में बदल रहे जीवन मूल्यों के साथ मानव चेतना के संघर्ष को सहज ही समझ सकेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023 -24

Course Code: MHIL - 3261

आधुनिक हिंदी काव्य : द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद

Total: 80
CA: 16

समय : तीन घंटे

LTP-4-0-0 TH : 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश

यह प्रश्नपत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है | इसमें चार-चार अंकों के छ: पद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें से चार की सप्रसंग व्याख्या करना अनिवार्य होगा |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा | भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा|

इकाई –एक

व्याख्या भाग :
निर्धारित कवि निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :
मैथिलीशरण गुप्त : साकेत(नवम सर्ग), साहित्य सदन, झाँसी
जयशंकर प्रसाद : कामायनी, भारती भंडार, इलाहाबाद, 1971 (श्रद्धा,लज्जा और आनंद सर्ग)
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: राग विराग, सम्पादक रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,1974 (राम की शक्तिपूजा,सरोज स्मृति, जागो फिर एक बार 1-2, जूही की कली, बांधो न नाव इस ठांव बंधु, कुकुरमुत्ता)

इकाई –दो

मैथिलीशरण गुप्त :

-नवजागरण ओर द्विवेदीयुग के प्रतिनिधि कवि गुप्त
-साकेत का महाकाव्यत्व
-नवम सर्ग का काव्य-वैभव
- राष्ट्रीय चेतना के कवि मैथिलीशरणगुप्त
-मैथिलीशरणगुप्त का जीवन-दर्शन
-साकेत: सांस्कृतिक आधार और युगीन दर्शन
-उर्मिला का चरित्र चित्रण

इकाई –तीन

जयशंकर प्रसाद :
-छायावादी काव्यान्दोलन और जयशंकर प्रसाद
-कामायनी की अंतर्वस्तु
-कामायनी :महाकाव्यत्व
-कामायनी: दार्शनिक पक्ष
-कामायनी: इतिहास और कल्पना
-कामायनी की रूपक योजना
-कामायनी की भाषा-शैली

इकाई –चार

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला:

-निराला की काव्य विकास यात्रा के विभिन्न चरण
-निराला का जीवन दर्शन
-छायावादी कवि निराला
-प्रगतिवादी कवि निराला
-प्रयोगधर्मी कवि निराला
-निराला का काव्य-सौन्दर्य
-राम की शक्ति पूजा:कथ्य और शिल्प
-सरोज-स्मृति: कथ्य और शिल्प

सहायक पुस्तकें :

हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, डॉ. श्रीनिवास शर्मा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली |
हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि,डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा |
साकेत एक अध्ययन,नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली|
मैथिलीशरण गुप्त: एक मूल्यांकन, राजीव सक्सेना, हिंदी बुक सेन्टर,नई दिल्ली|
मैथिलीशरण गुप्त: कवि और भारतीय संकृति के आख्याता, उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली|
साकेत सुधा,रामस्वरूप दुबे,नारायण बुक डिपो,कानपुर |
प्रिय प्रवास औरसाकेत की आदर्शगत तुलना,श्री वल्लभ शर्मा,मंगल प्रकाशन, जयपुर|
कामायनी में काव्य,संस्कृति और दर्शन,डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना,विनोद पुस्तक मन्दिर,आगरा|
मिथक ओर स्वरूप :कामायनी कि मनस्सौन्दर्या सामाजिक भूमिका, रमेश कुंतल मेघ,ग्रंथम कानपुर |
कामायनी:मूल्यांकन ओर मूल्यांकन,इन्द्रनाथ मदान,नीलाभ प्रकाशन,इलाहाबाद|
कामायनी:एक पुनर्विचार,गजानन माधव मुक्तिबोध,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली|
कामायनी के अध्ययन की समस्याएं,डॉ. नगेन्द्र,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली |
निराला की साहित्य साधना,रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली|
क्रांतिकारी कवि निराला,बच्चन सिंह,हिंदी प्रचारक,वाराणसी
काव्य-पुरुष निराला,जयनाथ नलिन,आलोक प्रकाशन,कुरुक्षेत्र|

Session 2023 -24

Course Code: MHIL-3262

आधुनिक गद्य साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: आधुनिक हिंदी साहित्य का उच्चकोटि का उपन्यास 'गोदान' प्रेमचंद की ऐसी कृति है जिसके माध्यम से विद्यार्थी तत्कालीन समाज की विसंगतियों, समस्याओं से जूझते पात्रों की अलक्षित सामर्थ्य एवं शक्ति से परिचित होंगे| इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए शोध के नवीन द्वार खुलते हैं|

CO-2: राजेन्द्र यादव द्वारा सम्पादित कहानी संग्रह 'एक दुनिया समानांतर' में संकलित कहानियों के अध्ययन से विद्यार्थी आधुनिक हिंदी के उच्चकोटि के कथाकारों के साहित्यिक अवदान एवं कहानियों में वर्णित समस्याओं से परिचित होंगे|

CO-3: आधुनिक गद्य साहित्य हिन्दी के श्रेष्ठ साहित्य का परिचायक प्रश्नपत्र है जिसमें महादेवी वर्मा कृत 'अतीत के चलचित्र' संस्मरण साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी तत्कालीन स्त्री की स्थिति का मूल्यांकन करने में समर्थ होंगे और संस्मरण साहित्य विधा को जानने में सक्षम होंगे

CO-4: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी अतीत के चलचित्र के माध्यम से महादेवी वर्मा के गद्यकाररूप का परिचय प्राप्त करेंगे। एक दुनिया समानांतर के माध्यम से विभिन्न कहानीकारों की साहित्यिक दृष्टि पहचानेंगे और गोदान के माध्यम से प्रेमचंद कालीन समाज से रूबरू होंगे।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-3262

आधुनिक गद्य साहित्य

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0 TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है | जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है | इसमें चार- चार अंकों के सप्रसंग व्याख्या के छ: गद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें चार सप्रसंग व्याख्या करना अनिवार्य होगा | प्रत्येक सप्रसंग व्याख्या 200 शब्दों में देनी होगी | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 800शब्दों में देना होगा |

इकाई –एक

व्याख्या:
व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित कृतियाँ –
1.गोदान –प्रेमचंद , हंस प्रकाशन , इलाहबाद ।
व्याख्या के लिए निर्धारित पृष्ठ – पृ. 1 से 150 तक
2. एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव , अक्षर प्रकाशन , दिल्ली ।
निर्धारित कहानियां – बादलों के घेरे , खोई हुई दिशाएं , चीफ की दावत , यही सच है , एक और जिंदगी, टूटना, नन्हों , भोलाराम का जीव |

3. अतीत के चलचित्र , महादेवी वर्मा , राधाकृष्ण प्रकाशन , केवल पहले आठ संस्मरण (रामा , भाभी , बिन्दा सबिया , बिट्टो , बालिका मां , घीसा , अभागी स्त्री)

इकाई –दो

गोदान:
विधागत वैशिष्ट्य , विकास यात्रा , हिंदी उपन्यास और प्रेमचंद , गोदान : कृषक जीवन की त्रासदी , आदर्श – यथार्थ , जीवन दर्शन, महाकाव्यात्मक उपन्यास, कथा शिल्प, पात्र, भाषा एवं समस्याएं।

इकाई –तीन

एक दुनिया समानांतर :
हिंदी कहानी : उद्भव और विकास , कहानी के प्रमुख आन्दोलन , समकालीन कहानी की विशेषताएं , किसी निर्धारित कहानी के कथ्य सम्बन्धी प्रश्न , किसी निर्धारित कहानी के शिल्प सम्बन्धी प्रश्न , संग्रह में निर्धारित कहानियों की सामान्य विशेषताएं ।

इकाई –चार

अतीत के चलचित्र :
रेखाचित्र :स्वरूप ,तत्त्व एवं प्रकार ,अतीत के चलचित्र के आधार पर महादेवी के गद्यकार रूप का विवेचन ,किसी एक रेखाचित्र के कथ्य पर केन्द्रित प्रश्न , किसी एक रेखाचित्र के शिल्प पर केन्द्रित प्रश्न ,रेखाचित्र के तत्वों के आधार पर 'अतीत के चलचित्र' का समग्र मूल्यांकन|

सहायक पुस्तकें

1. डॉ.लाल चंद गुप्त 'मंगल', अस्तित्वाद और नयी कहानी, शोध प्रबंध, दिल्ली।
2. डॉ. देवी शंकर अवस्थी, नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. डॉ. मधु संधु, कहानीकार निर्मल वर्मा, दिनमान, दिल्ली।
4. हिंदी लेखक कोश, डॉ. सुधा जितेन्द्र एवं अन्य, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
5. प्रेमचंद: कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. प्रेमचंद: हमारे समकालीन, सं.रमेशकुन्तल मेघ और ओम अवस्थी, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
7. महादेवी का गद्य, सूर्यप्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. महादेवी और उनकी गद्य रचनाएं, माधवी राजगोपाल, रंजन प्रकाशन, आगरा।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023 -24

Course Code: MHIL-3263

भाषा विज्ञान

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी का संरचनात्मक स्तर पर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं |

CO-2: भाषा के सही उच्चारण का कौशल प्राप्त कर सकते हैं|

CO-3:इकाई एक में विद्यार्थी भाषा की परिभाषा, विविध रूप एवं वर्गीकरण की जानकारी प्राप्त करेंगे

Co-4: समय के बदलते परिवेश के अनुसार भाषा के रूप और वाक्य परिवर्तन की जानकारी हासिल कर सकते हैं|

CO-5: अर्थविज्ञान की सम्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

CO-6: आधुनिक भाषा विज्ञान के विभिन्न व्याकरणों एवं विज्ञानों का सम्यक् अध्ययन करने में सक्षम हो सकते हैं |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023-24

Course Code: MHIL - 3263

भाषा विज्ञान

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0 TH : 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है इसमें इकाई एक में से चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा। भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई एक , दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा।

इकाई –एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -

भाषा : परिभाषा और स्वरूपगत विशेषताएं, भाषा के विभिन्न रूप : विभाषा, मातृभाषा, साहित्यिक/ सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, मानक भाषा। भाषा का आवृत्तिमूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरण

इकाई –दो

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -

भाषा विज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा विज्ञान के अंग, भाषाविज्ञान का विभिन्न पद्धतियों/शास्त्रों के साथ सम्बन्ध: वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक

ध्वनि विज्ञान : ध्वनि नियम (ग्रिम निरूपित) , ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएं।

इकाई-तीन

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -

रूपविज्ञान : रूप और संरूप : सामान्य परिचय, परिभाषा व पारस्परिक अंतर, रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएं

वाक्य विज्ञान : वाक्य का स्वरूप और लक्षण, वाक्य के निकटस्थ अवयव, वाक्य के भेद : रचना, आकृति व अर्थ के आधार पर।

इकाई –चार

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र –

अर्थ विज्ञान : अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं

आधुनिक भाषा विज्ञान : प्रमुख प्रवृत्तियां, रूपांतरण प्रजनक व्याकरण, व्यवस्थापरक व्याकरण, शैली विज्ञान, समाज भाषा विज्ञान।

सहायक पुस्तकें:

1. भाषाविज्ञान की भूमिका, डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा, द्वारिका प्रसाद सक्सेना।

3. भाषा विज्ञान कोश, भोलानाथ तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
4. भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. भाषा विज्ञान, कर्ण सिंह, साहित्य भंडार, मेरठ ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023-24
Course Code: MHIL - 3264

पत्रकारिता – प्रशिक्षण

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO 1:.हिंदी पत्रकारिता के स्वरूप,उद्भव और विकास तथा से परिचित होने के साथ साथ विद्यार्थी समाचार संकलन तथा संपादन कला के सामान्य सिद्धान्तों और प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करेंगे।

CO.2: समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले स्तम्भ लेखन के विविध प्रकारों की जानकारी के साथ विद्यार्थी संपादकीय, फीचर लेखन, इंटरव्यू, खोजी पत्रकारिता इत्यादि विषयों को समझने में सक्षम होगा।

CO.3: इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता के अंतर्गत रेडियो,टी. वी, वीडियो, केबल, मल्टीमीडिया, और इंटरनेट की पत्रकारिता को समझने के साथ-साथ प्रिंट पत्रकारिता की लेआउट, प्रूफ रीडिंग, पृष्ठ सज्जा के कौशल को समझने में सक्षम होगा।

इसी इकाई के अंतर्गत पत्रकारिता प्रबंधन के विभिन्न अंगों -प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था से परिचित होगा।

CO.4:इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी मुक्त प्रेस, लोक संपर्क, विज्ञापन, प्रसार भारती, सूचना प्रोद्योगिकी तथा लोकतंत्र में पत्रकारिता के महत्व को समझने में सक्षम होगा।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023- 24

Course Code: MHIL -3264

पत्रकारिता – प्रशिक्षण

Total: 80
CA: 16

समय : तीन घंटे

LTP-4-0-0 TH : 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है | इसमें चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200शब्दों में देना होगा | भाग दो ,तीन,चार ,पांच में

समानुपात से क्रमशः इकाई एक, दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा| प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा|

इकाई -एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -

पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास, समाचार पत्रकारिता के मूल तत्त्व, समाचार संकलन तथा लेखन के प्रमुख आयाम।सम्पादन कला के सामान्य सिद्धांत: शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार पत्रों की प्रस्तुत प्रक्रिया|

इकाई -दो

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना, समाचार के विभिन्न स्रोत, संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति। पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन: सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी पत्रकारिता, अनुवर्तन (फॉलोअप) की प्रविधि

इकाई -तीन

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता :रेडियो, टी वी, वीडियो, केबल, मल्टीमीडिया, और इंटरनेट की पत्रकारिता। प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा। पत्रकारिता का प्रबंधन :प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।

इकाई -चार

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

मुक्त प्रेस की अवधारणा, लोक सम्पर्क तथा विज्ञापन, प्रसार भारती, तथा सूचना प्रौद्योगिकी, प्रजातान्त्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

सहायक पुस्तकें

1. कृष्ण बिहारी मिश्र, हिन्दी पत्रकारिता, संपा. लक्ष्मीचन्द्र जैन, लोकोदय ग्रन्थ भाषा, दिल्ली।
2. राधेश्याम शर्मा, विकास पत्रकारिता।
3. श्याम सुंदर शर्मा, समाचार पत्र, मुद्रण और साजसज्जा।
4. सविता चड्ढा, नई पत्रकारिता और समाचार लेखन।
5. हरिमोहन, समाचार, फीचर लेखन एवं सम्पादन कला।
6. शिवकुमार दुबे, हिंदी पत्रकारिता: इतिहास और स्वरूप।
7. अर्जुन तिवारी, आधुनिक पत्रकारिता, वाराणसी विश्वविद्यालय।
8. रामचन्द्र तिवारी, सम्पादन के सिद्धांत, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
9. रमेश चन्द्र त्रिपाठी, पत्रकारिता के सिद्धांत।
10. हरिमोहन, रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता।
11. संपा. के.सी. नारायण, सम्पादन कला।
12. हरिमोहन, सम्पादन कला एवं प्रूफ पठन।
13. डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू, भारतीय प्रसारण माध्यम।
14. टी.डी. एस. आलोक, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया।

15. हर्षदेव, उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक।
16. संजीव भानावत, प्रेस कानून और पत्रकारिता।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)
Session 2023-24
Course Code: MHIL- 3265
चित्रा मुद्गल: विशेष अध्ययन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

Co.1 चित्रा मुदगल के उपन्यास 'गिलिगडु' के माध्यम से विद्यार्थी वृद्ध जीवन की आवश्यकताओं व वृद्धा की मानसिकता को समझने में सक्षम होंगें|

Co. 2 ताशमहल कहानी के माध्यम से विद्यार्थी परस्पर वैवाहिक संबंधों और समाज की वास्तविक स्थिति को समझने में समर्थ होंगें|

Co.3 बेईमान कहनी के माध्यम से विद्यार्थी को स्व और समाज को सुधारने की दृष्टि प्राप्त होगी|

Co.4 विद्यार्थी इस उपन्यास व कहानियों में चित्रित जनजीवन को समझने में सफल होंगे|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)
Session 2023-24
Course Code: MHIL- 3265
चित्रा मुद्गल: विशेष अध्ययन

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे
LTP-4-0-0 **TH: 64**

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है | इसमें चार- चार अंकों के छः प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा |

इकाई-एक

व्याख्या हेतु निर्धारित कृतियाँ -

उपन्यास- गिलिगडु

कहानी – ताशमहल

कहानी- बेईमान

इकाई-दो

चित्रा मुद्गल : व्यक्तित्व और कृतित्व

गिलिगडु : उपन्यास में अभिव्यक्त वृद्ध जीवन की त्रासदी

बदलते जीवन मूल्यों के परिप्रेक्ष्य में गिलिगडु

गिलिगडु की भाषा शैली

इकाई- तीन

ताशमहल- दाम्पत्य जीवन की त्रासदी

-सम्बन्धों के बिगड़ने की कहानी

- कथा संरचना एवं शिल्प

- शोभना का चरित्र चित्रण

इकाई- चार

बेईमान - कथा संरचना एवं शिल्प

- नायक का चरित्र चित्रण

- साकारात्मक मूल्यों का हास

-वर्तमान युग में प्रासंगिकता

सहायक पुस्तकें-

चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य में संघर्ष , जैमिनी ,संचेतना कल्याणी शिक्षा परिषद, दिल्ली |
चित्रा मुद्गल : एक मूल्यांकन, के. वनजा , सामयिक प्रकाशन, दिल्ली |
21वीं सदी का हिंदी उपन्यास , पुष्पपाल, राधाकृष्ण प्रकाशन , नयी दिल्ली |
स्त्री विमर्श की उत्तर गाथा , अनामिका, सामयिक प्रकाशन , दिल्ली |
औरत कल आज और कल , व्होरा , सामयिक प्रकाशन , दिल्ली |
आधुनिक परिवार में स्त्री ,सिंघवी , सामयिक प्रकाशन, दिल्ली |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023 - 24

Course Code: MHIL - 3266

गुरु नानक देव जी

विकल्प – एक

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO–1: इस प्रश्न–पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सिक्खों के प्रथम गुरु के द्वारा रचित जपुजी साहिब के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

CO-2: गुरु नानक जी की वाणी के वैशिष्ट्य के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर जीवन में सकरात्मक दृष्टिकोण अपना सकते हैं |

CO-3: गुरु नानक जी की वाणी के माध्यम से उनके विचारों और जीवन में उनके महत्व से परिचित होकर उनकी सामाजिक सोच,उनकी भक्ति भावना और उनके काव्य-दर्शन को समझ सकते हैं |

CO-4: इस प्रश्नपत्र को पढकर विद्यार्थी भारतीय संस्कृत से परिचित होंगें | जपुजी साहिब की भाषा और शैली का ज्ञान प्राप्त करेंगें | साहित्य में निर्गुण मत कवियों की एक परम्परा है उसमें गुरु नानक देव जी का क्या स्थान है, वे अन्य कवियों से कैसे श्रेष्ठ हैं,इसकी जानकारी भी उन्हें प्राप्त होगी |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023- 24
Course Code: MHIL - 3266

गुरु नानक देव जी

विकल्प – एक

Total: 80
CA: 16

समय : तीन घंटे
LTP-4-0-0 TH : 64

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग की सप्रसंग व्याख्या करनी है जिसमें चार- चार अंकों के छ: पद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें से चार की सप्रसंग व्याख्या करनी अनिवार्य होगी | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा |

व्याख्या एवं अध्ययन के लिए निर्धारित कृत्ति : जपुजी साहिब, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, अमृतसर ।

इकाई –एक

व्याख्या हेतु निर्धारित कृति – जपुजी साहिब

इकाई –दो

गुरु नानक देव: युग और व्यक्तित्व, जपुजी साहिब का सामान्य परिचय, गुरु नानक देव जी की वाणी का वैशिष्ट्य

इकाई –तीन

गुरु नानक देव जी का सामाजिक चिंतन, गुरु नानक देव जी की भक्ति – भावना, गुरु नानक देव जी की वाणी में दार्शनिकता

इकाई –चार

गुरु नानक देव जी के काव्य में भारतीय संस्कृति के तत्व, जपुजी साहिब की भाषा- शैली एवं काव्य सौष्ठव, निर्गुण भक्त कवियों में गुरु नानक देव जी का स्थान

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)
Session 2023-24
Course Code: MHIL - 3266

सूरदास

विकल्प – दो

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO–1 : सूरदास विरचित कृष्ण लीला के महत्वपूर्ण प्रसंगों पर आधारित सरस एवं भक्तिपूर्ण पदों के माध्यम से भक्ति के स्वरूप और साहित्य की सरसता को आत्मसात करने के योग्य होंगे ।

CO-2: मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय में सूरदास की भक्ति भावना और उसके आधार में निहित मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय में सूरदास की भक्ति भावना और उसके आधार में निहित मनोवैज्ञानिक भूमिका को समझने में सक्षम होंगे | वे सूरदास के व्यक्तित्व व रचनाकार रूप से भी परिचित होंगे और कृष्ण भक्ति काव्य की विशेषताओं का ज्ञान भी प्राप्त करेंगे |

CO-3 : इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी पुष्टिमार्गीय भक्ति के विषय में जानेगें और भक्ति साधना के विभिन्न रूपों का अध्ययन कर सकेंगे |सूरदास किस प्रकार वात्सल्य का चित्रण करते हैं इसका ज्ञान भी प्राप्त कर सकेंगे |

CO-4: सूरकाव्य में निहित संगीत, लय और गीति तत्व की विशेषता को आत्मसात करने के साथ – साथ विद्यार्थी भाषा के सौन्दर्य को समृद्ध बनाने वाले उपकरण – रस, छंद, अलंकार, बिम्ब, प्रतीक इत्यादि के व्यवहारिक उपयोग और सौन्दर्य को समझने में योग्य होंगे ।सूरकाव्य के लीला तत्व और कूट पदों के ज्ञान एवं रहस्य से परिचय इस सन्दर्भ में शोध की सम्भावनाओं के प्रति विद्यार्थियों की रुचि प्रोत्साहित होगी ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023- 24
Course Code: MHIL -3266

सूरदास

विकल्प – दो

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0 TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है। प्रथम भाग की सप्रसंग व्याख्या करनी है इसमें चार- चार अंकों के छ: पद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें चार की सप्रसंग व्याख्या करनी अनिवार्य होगी। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा। भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा।

व्याख्या एवं अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तक –

सूरसागर, सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लि० इलाहाबाद।

इकाई –एक

व्याख्या हेतु निर्धारित पद –

विनय भक्ति – 1 से 10 तथा 17 से 24 =18 पद
गोकुल लीला – 1 से 35 =35 पद
वृन्दावन लीला – 3 से 18, 38 से 53, 145 से 155 =43 पद
उधव सन्देश – 116 से 159 =44 पद

इकाई –दो

- मध्ययुगीन भक्ति आन्दोलन तथा कृष्ण भक्ति
- मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति: सम्प्रदाय एवं सिद्धांत
- कृष्ण भक्ति काव्य: विशेषताएं तथा उपलब्धियां
- सूरदास: व्यक्तित्व एवं कृत्तित्व

- सूरकाव्य में लोक संस्कृति
- सूरकाव्य में मनोविज्ञान

इकाई –तीन

- कृष्ण भक्ति काव्य में सूरदास का स्थान
- सूरकाव्य में पुष्टिमार्गीय भक्ति
- सूरकाव्य में भक्ति साधना के अन्य रूप – दास्य, संख्य, प्रेमा आदि
- सूरकाव्य में वात्सल्य वर्णन
- सूरकाव्य में दार्शनिक पक्ष
- सूरकाव्य में निर्गुण – सगुण द्वंद्व

इकाई –चार

- सूरकाव्य में लीला तत्व
- सूरकाव्य में विभिन्न रसों की सृष्टि
- सूरकाव्य में बिम्ब, प्रतीक तथा मिथक
- सूर की काव्य भाषा: शब्द सम्पदा, पद रचना, अलंकार, छंद आदि ।
- सूरकाव्य में गीति तत्व
- सूरकाव्य के कूट पद

सहायक पुस्तकें :

1.कमला अत्रिय, आधुनिक मनोविज्ञान और सूरकाव्य, विभू प्रकाशन, साहिबाबाद ।
2. रमाशंकर तिवारी, सूर का श्रृंगार वर्णन, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर ।
3. आद्या प्रसाद त्रिपाठी, सूर साहित्य में लोक – संस्कृति, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग ।
4. एन.जी. द्विवेदी, हिन्दी कृष्ण काव्य का आलोचनात्मक इतिहास, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली ।
5. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, सूर साहित्य, राजकमल प्रकाशम, नई दिल्ली ।
6. प्रभुदयाल मित्तल, सूरदास, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद ।
7. प्रभुदयाल मित्तल, सूरसर्वस्व, राजपाल एंड संज, दिल्ली ।
8. ब्रजेश्वर वर्मा, सूरदास, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद ।
9. रामनरेश वर्मा, सगुण भक्ति काव्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
10. मुंशीराम शर्मा, सूरदास का काव्य वैभव ग्रंथम, कानपुर ।
11. हरबंस लाल शर्मा, सूर और उनका साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़ ।
12. वेदप्रकाश शास्त्री, सूर की भक्ति भावना, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली ।
13. शारदा श्रीवास्तव, सूर साहित्य में अलंकार विधान, बिहार ग्रन्थ कुटीर, पटना ।
14. केशव प्रसाद सिंह, सूर संदर्भ और दृष्टि, संजय बुक सेंटर, वाराणसी ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023 - 24

Course Code: MHIL -3266

हिन्दी कहानी

विकल्प – तीन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 : कहानी साहित्य को आत्मसात करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है |इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी – वर्ग को कहानी के स्वरूप,विकास यात्रा, कहानी के आन्दोलनों एवं समकालीन कहानी साहित्य की विशेषताओं का विस्तृत एवं गहन ज्ञान प्राप्त होगा | इकाई एक में विद्यार्थी कहानी को पढ़ कर कहानीकारों की दृष्टि को पकड़ सकने में समर्थ होंगे |

CO-2 : इस इकाई को पढने से कहानी का अर्थ और तत्व एवं प्रकार विद्यार्थी के सामने स्पष्ट होंगे | भीष्म साहनी की कहानियों के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों के समक्ष पंजाब की तत्कालीन स्थिति, विभाजन की त्रासदी से उत्पन्न संत्रास, विदेशी वातावरण में अपनी मिट्टी की महक के दर्शन होंगे |

CO-3 : मृदुला गर्ग की कहानियों के माध्यम से महानगरीय जीवन की विसंगतियों से जूझते मनुष्य से साक्षात्कार एवं महिलाओं की वर्तमान स्थिति के सम्बन्ध में विद्यार्थी उनकी समस्याओं से अवगत होंगे |

CO-4: मन्नू भंडारी की कहानियों के द्वारा विद्यार्थी समकालीन संदर्भ में स्त्री की स्थिति, आधुनिक युग की समस्याओं से दो - चार होती, जूझती नारी एवं स्त्री अस्मिता से जुड़े प्रश्नों का साक्षात्कार करेंगे |

CO-5: समग्रत: प्रश्नपत्र विद्यार्थी वर्ग के लिए आगामी शोध के लिए ज़मीन तैयार करता है |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-3266

हिंदी कहानी

विकल्प–तीन

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0 TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है जिसमें चार- चार अंकों के सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित छ: गद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें से चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या 200 शब्दों में देनी होगी | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा |

इकाई –एक

व्याख्या एवं अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तकें व कहानियां –

प्रतिनिधि कहानियां –भीष्म साहनी,राजकमल पेपर बैक्स,दिल्ली 1980

निर्धारित कहानियां- गंगो का जाया,चीफ़ की दावत,खून का रिश्ता,यादें,कुछ और साल, अमृतसरआ गया है, ओ हरामज़ादे, सागमीट ,लीला नन्दलाल की |

प्रतिनिधि कहानियां- मृदुला गर्ग,राजकमल पेपर बैक्स,दिल्ली |

निर्धारित कहानियां-हरी बिन्दी,साठ साल की औरत,समागम,वो मैं ही थी;बंजर,अगली सुबह,उर्फ़ सैम,वितृष्णा |

मेरी प्रिय कहानियां- मन्नू भंडारी,राजपाल एंड सन्ज़ ,दिल्ली 2015

निर्धारित कहानियां- अकेली मजबूरी,नई नौकरी,बंद दराज़ों का साथ,एखाने आकाश नार्द,यही सच है,सज़ा,शायद |

इकाई –दो

. कहानी: स्वरूप, परिभाषा, तत्व एवं प्रकार
. कहानीकार भीष्म साहनी : व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व
. भीष्म साहनी की कहानियों का कथ्य एवं मूल संबंध
. भीष्म साहनी की कहानियों के नारी पात्र
. भीष्म साहनी की कहानियों का शिल्प एवं भाषा
. निर्धारित संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रशन

इकाई –तीन

हिंदी कहानी की विकास यात्रा

. कहानीकार मृदुला गर्ग : सामान्य परिचय
. मृदुला गर्ग की कहानियों में सामाजिक संचेतना
. मृदुला की कहानियों में नारी मनोविज्ञान
. मृदुला गर्ग की कहानियों का शिल्प एवं भाषा
. संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रश्न

इकाई –चार

. हिंदी कहानी के विभिन्न आन्दोलन
. समकालीन कहानी की विशेषताएं
. कहानीकार मन्नू भंडारी : सामान्य परिचय
. मन्नू भंडारी की कहानियां: अस्तित्ववादी चेतना
. मन्नू भंडारी की कहानियां: मनोविज्ञान और बदलता समाज
. मन्नू भंडारी की कहानियां : शिल्प और भाषा
. निर्धारित संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रश्न

अनुशंसित पुस्तकें:

1. हिंदी कहानी : उद्भव और विकास, सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिंदी कहानी : पहचान और परख, इन्द्रनाथ मदान (संपा.) लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
3. कहानी: स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. नयी कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. कहानी: नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
6. नयी कहानी: संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।
7. समकालीन कहानी की पहचान, नरेन्द्र मोहन, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली।
8. नयी कहानी: विविध प्रयोग, पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
9. हिंदी कहानी में प्रगति चेतना, लक्ष्मणदत्त गौतम, कोणार्क, दिल्ली।
10. मिथिलेश रोहतगी, हिन्दी की नयी कहानी का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, शलभ प्रकाशन, मेरठ।
11. हिन्दी लेखक कोश, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर।
12. डॉ. शिव प्रसाद सिंह, आधुनिक परिवेश और अस्तित्व, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
13. राम दरश मिश्र, दो दशक की कथा यात्रा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
14. इन्द्रनाथ मदान, हिन्दी कहानी अपनी ज़बानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
15. सुरेन्द्र चौधरी, हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया
16. परमानंद श्रीवास्तव, हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया, ग्रंथम, कानपुर।
17. बटरोही, कहानी: रचना प्रक्रिया और स्वरूप, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Master of Arts in HINDI (Semester:IV)

(Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System)

Session: 2023-24

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

KANYA MAHA VIDYALAYA,JALANDHAR(AUTONOMOUS)
SCHEME AND CURRICULAM OF EXAMINATION
OF TWO YEAR DEGREE PROGRAMME
CREDIT BASED CONTINUOUS EVALUATION
GRADING SYSTEM (CBCEGS)
Session 2023-24
Programme: Masters of Arts in Hindi
(Semester IV)

Master of Arts (Hindi) Semester IV						
Course Code	Course Name	Course Type	Hrs/	Credits L.T.P	Marks	Examination time

			Weeks		Total credits	Total	Ext.			(in Hours)
							L	P	CA	
MHIL -4261	आधुनिक हिंदी काव्य: छायावादोत्तर काल	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL -4262	आधुनिक गद्य साहित्य	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL -4263	हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL - 4264	राजभाषा प्रशिक्षण	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL-4265	शोध प्रविधि	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL- 4266 (Opt---) (विद्यार्थी अग्रलिखित विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है)	उत्तर काव्यधारा के सन्दर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का विशेष अध्ययन (Opt-i)	O	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
	हिंदी उपन्यास (Opt-ii)	O	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
	निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल (Opt-iii)	O	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
Total			**24**	**24**		**480**				

C-Compulsory
O-Optional

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023-24

Course Code: MHIL - 4261

आधुनिक हिंदी काव्य : छायावादोत्तर काल

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO–1 : 'आधुनिक हिंदी काव्य: छायावादोत्तर काल'में अज्ञेय,धूमिल एवं मुक्तिबोध के काव्य के माध्यम से छायावाद के बाद की हिंदी कविता की व्याख्या और उसमें कथ्य एवं भाषा शैली के स्तर पर आये परिवर्तनों को समझेंगे |

CO–2 : स्वातन्त्र्योत्तर युग में जैसे-जैसे पूंजीवाद के फलस्वरूप भौतिकवादी रुझानों ने भारतीयों जीवन-शैली ,राजनीतिक सामाजिक व्यवस्था,जीवन मूल्यों और समाजिक सम्बन्धों को प्रभावित किया वैसे-वैसे वे अनुभूतियाँ किस प्रकार तीव्र और गहन रूप में काव्य में अभिव्यक्त हुईं हैं इसेअज्ञेय की कविताओं के माध्यम से समझेंगे| कवि का काव्य इसका प्रमाण है |

CO–3 : विद्यार्थी साहित्य के सामाजिक सरोकारों को समझने के साथ-साथ कविता के नवीन रूपों को पढ़ेंगे और समझेंगे | साठोत्तरी हिंदी कविता में हिंदी कविता के भाव एवं शिल्प के स्तर पर जिन नवीन सम्भावनाओं को अपनी कविता में अभिव्यक्त करने वाले कवि की कविता 'अँधेरे में' के अध्ययन से उपर्युक्त परिवर्तन को समझेंगे |

CO–4: हिंदी कविता में जनवादी कवि के रूप में विख्यात कवि धूमिल के काव्य की सम्वेदना और शिल्प से परिचित होंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023 - 24

Course Code: MHIL - 4261

आधुनिक हिंदी काव्य : छायावादोत्तर काल

Total: 80
CA: 16

समय : तीन घंटे
LTP-4-0-0 TH : 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है | इसमें चार- चार अंकों के छः पद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें चार पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करनी अनिवार्य होगी | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के

कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उत्तर ८०० शब्दों में देना होगा |

इकाई -एक

व्याख्या एवं आलोचना के लिए निर्धारित कवि

स.ही.वात्सायन 'अज्ञेय' सम्पादक विद्या निवास मिश्र, राजपाल एंड संस,दिल्ली 1993(असाध्य वीणा,बावरा अहेरी,शब्द और सत्य,औद्योगिक बस्ती,आंगन के पार,कितनी नावों में कितनी बार, नदी के द्वीप |

ग.मा. मुक्तिबोध:चाँद का मुंह टेढ़ा है,भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन,दिल्ली,1964अन्धेरे में|

धूमिल:संसद से सड़क तक (मोची राम, भाषा की एक रात,पटकथा)

इकाई-दो

स.ही.वात्सायन 'अज्ञेय' का सामान्य परिचय

- छायावादोत्तर काव्यान्दोलन और अज्ञेय
- अज्ञेय की जीवन दृष्टि
- प्रयोगवादी कवि अज्ञेय
- अज्ञेय के काव्य की साहित्यिक विशेषताएं
- अज्ञेय की कविता का शिल्प-सौन्दर्य
- असाध्य वीणा: प्रतिपाद्य और शिल्प

इकाई-तीन

ग.मा. मुक्तिबोध

- मुक्तिबोध:कवि और उनकी रचनाएं
- प्रतिबद्ध कवि मुक्तिबोध फेंटेसी
- फेंटेसी का कवि मुक्तिबोध
- 'अँधेरे में' कविता का कथ्य और शिल्प
- मुक्तिबोध की कविता का भावजगत की उनका काव्य शिल्प

इकाई -चार

धूमिल

- जनवादी चेतना के कवि धूमिल
- साठोत्तरी हिंदी कविता और धूमिल
- धूमिल की कविता में मानव-मूल्य
- धूमिल की कविता:आज के व्यक्ति का बिम्ब

-धूमिल कि कविता:भाषा-शिल्प

सहायक पुस्तकें

धूमिल और उसका काव्य संघर्ष,डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद|
धूमिल: काव्य-यात्रा,मंजू अग्रवाल,ग्रंथम,कानपुर |
समकालीन कविता और धूमिल,डॉ. मंजुल उपाध्याय,अनामिका प्रकाशन,इलाहाबाद|
नयी कविता का प्रमुख हस्ताक्षर,डॉ. संतोष कुमार तिवारी,जवाहर पुस्तकालय,मथुरा |
अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या,रामस्वरूप चतुर्वेदी,भारतीय ज्ञानपीठ,दिल्ली|
अज्ञेय कवि,ओम प्रकाश अवस्थी,ग्रंथम,कानपुर|
अज्ञेय, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली |
अज्ञेय की कविता-एक मूल्यांकन चन्द्रकांत बादीवडेकर,विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा|
मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता,लल्लन राय,मंथन पब्लिकेशन,रोहतक|
मुक्तिबोध:प्रतिबद्ध कला के प्रतीक,चंचल चौहान,पांडुलिपि प्रकाशन,दिल्ली|
गजानन माधव मुक्तिबोध:जीवन और काव्य,महेश भटनागर,राजेश प्रकाश,दिल्ली |
मुक्तिबोध:विचारक कवि और कथाकार,सुरेन्द्र प्रताप,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली |
मुक्तिबोध की काव्य चेतना,हुकुमचंद राजपाल,वाणी प्रकाशन,दिल्ली|
मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना:नंदकिशोर नवल,राजकिशोर प्रकाशन,नई दिल्ली|
अज्ञेय की काव्य तितीषा, नंदकिशोर आचार्य वाग्यदेवी प्रकाशन,बीकानेर|
वाक्-संदर्श,हरमोहन लाल सूद,पीयूष प्रकाशन,दिल्ली|
धूमिल और उसका काव्य-संघर्ष, ब्रह्मदेव मिश्र,लोकभारती,इलाहाबाद|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2023- 24

Course Code: MHIL - 4262

आधुनिक गद्य साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: यह प्रश्नपत्र साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराता है । यह निबंध, नाटक एवं जीवनी साहित्य की त्रिवेणी है जिसमे स्नात होकर विद्यार्थी अपने ज्ञान को सम्पुष्ट करता है |

CO-2:निबंध विविधा में **विद्यार्थी** विभिन्न निबंधकारों के निबंधों में साहित्यिकता, व्यंग्य, संस्कृति एवं सभ्यता के पुट को पहचानेंगे |

CO-3: 'आधे–अधूरे' के माध्यम से न केवल मोहन राकेश अपितु उनकी नाट्य दृष्टि, रंगमंचीयता एवं जीवन के आधे –अधूरेपन की त्रासदी से विद्यार्थी परिचित होंगे इस कृति के माध्यम से वे नाटककार के दृष्टिकोण से भी परिचित होंगे |

CO-4: आवारा मसीहा के माध्यम से विद्यार्थियों को शरतचंद्र के जीवन के सूक्ष्म दर्शन होंगे और साथ ही वे उनके साहित्यिक चरित्र से भी परिचित होंगे।

CO-5: तीनों विधाएं विद्यार्थियों के लिए साहित्य के मार्ग पर अग्रसर होने के लिए उनके आधारभूमि तैयार करती हैं|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023-24

Course Code: MHIL - 4262

आधुनिक गद्य साहित्य

Total: 80
CA: 16
TH: 64

समयः तीन घंटे
LTP-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है। इसमें चार- चार अंकों के व्याख्या हेतु छः गद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें चार सप्रसंग व्याख्याएं करनी अनिवार्य होंगी। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा। भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा।

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित कृतियाँ :

1.निबंध विविधा, सम्पादक हरमोहन लाल सूद, वागीश प्रकाशन, जालंधर।

2.आधे अधूरे 'मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

3.आवारा मसीहा –विष्णु प्रभाकर ,राजपाल एंड सन्ज़,कश्मीरी गेट,दिल्ली।

इकाई –एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियाँ :

1.निबंध विविधा –

(निर्धारित निबंध-कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, अशोक के फूल, गेहूं बनाम गुलाब, सौन्दर्य की उपयोगिता, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, पगडंडियों का ज़माना)
2.आधे अधूरे
3.आवारा मसीहा –विष्णु प्रभाकर

इकाई-दो

अध्ययन के लिए निर्धारित निबंध – (निबंध विविधा, हरिमोहन लाल सूद) – कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, अशोक के फूल, गेहूं बनाम गुलाब, सौन्दर्य की उपयोगिता, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, पगडंडियों का ज़माना

निबंध विधा-स्वरूप और वैशिष्ट्य, हिंदी निबंध- विकास यात्रा
कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता-उपेक्षित पात्रों का सरोकार
अशोक के फूल-भारतीय संस्कृति, इतिहास और जीवन की गाथा
गेहूं बनाम गुलाब- मानव जाति का अभिप्रेत लक्ष्य
सौन्दर्य की उपयोगिता-साहित्य , सौन्दर्य और कला के अंत: संबंधों का प्रश्न
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है-प्रतिपाद्य
पगडंडियों का ज़माना-आधुनिक युग का सटीक व्यंग्य
पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक निबंध की विशेषताएं

इकाई –तीन

– (आधे अधूरे, मोहन राकेश)
नाटक-विधागत वैशिष्ट्य, हिंदी नाटक : विकास यात्रा
आधे अधूरे : मध्ध्वर्गीय परिवार की त्रासदी
आधे अधूरे के विविध आयाम, विचारधारा तथा कथ्य चेतना , भाषागत उपलब्धियां।
नाटक और रंगमंच का रिश्ता –मोहन राकेश की दृष्टि और आधे अधूरे का आधार ।
मोहन राकेश की नाट्य भाषा ।
आधे अधूरे : नए नाट्य प्रयोग का संदर्भ ।

इकाई –चार

– आवारा मसीहा –विष्णु प्रभाकर
जीवनी:परिभाषा,स्वरूप व तत्व,जीवनी के तत्वों के आधार पर आवारा मसीहा का मूल्यांकन,जीवनी के सन्दर्भ में शरतचन्द्र का चरित्र चित्रण, आवारा मसीहा जीवनी विधा का गौरव ग्रन्थ |

सहायक पुस्तकें

1. हिंदी लेखक कोश, प्रकाशन गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर ।
2. जगदीश शर्मा, मोहन राकेश के नाटकों की रंग सृष्टि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. गोबिंद चातक, आधुनिक नाटक का मसीहा: मोहन राकेश, इन्द्रप्रस्थ , दिल्ली।
4. गिरीश रस्तोगी, मोहन राकेश के नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
5. कृति मूल्यांकन,आवारा मसीहा संपा.पल्लव,राजपाल एंड संस,दिल्ली
6. कलानाथ मिश्र : आवारा मसीहा की औपन्यासिकता

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023 - 24

Course Code: MHIL – 4263

हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: विद्यार्थी हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के साथ-साथ मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओँ का ज्ञान प्राप्त करेंगे |

CO-2: इकाई दो में विद्यार्थी आधुनिक भारतीय भाषाओँ का ज्ञान अर्जित करेंगे तथा हिंदी भाषा के उद्भव और विकास के साथ – साथ हिंदी की विभिन्न बोलियों/विभाषाओं का ज्ञान भी प्राप्त करेंगे ।

CO-3: इकाई तीन में विद्यार्थी हिंदी की बोलियों , हिंदी का भाषिक स्वरूप और हिंदी की व्याकरणिक कोटियों से परिचित होंगे ।

CO-4: देवनागरी लिपि की विशेषताओं और हिंदी भाषा के मानक रूप का ज्ञान ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2023–24

Course Code: MHIL–4263

हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि

Total: 80
CA: 16

समय : तीन घंटे

LTP-4-0-0 TH : 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है |प्रथम भाग अनिवार्य है इसमें इकाई एक में से चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा| प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा| भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई एक, दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा|

इकाई –एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत का परिचय, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ-पालि, प्राकृत, शौरसैनी , मागधी , अपभ्रंश का परिचय ।

इकाई –दो

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण - (ग्रियर्सन एवं चैटर्जी के अनुसार)

हिंदी भाषा का उद्भव और विकास : सामान्य परिचय ।

इकाई –तीन

हिंदी का भौगोलिक विस्तार, हिंदी की बोलियाँ –स्वरूपगत संक्षिप्त परिचय ।
हिंदी का भाषिक स्वरूप: हिंदी शब्द रचना : उपसर्ग , प्रत्यय , समास ।
हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ – लिंग, वचन , कारक, पुरुष , वाच्य।
हिंदी वाक्य रचना: पदक्रम और अन्विति।

इकाई –चार

भारत की प्रमुख लिपियों का परिचय , देवनागरी लिपि का स्वरूप, विशेषताएं एवं सीमाएं, संशोधन के लिए प्रस्तावित प्रस्ताव ।

सहायक पुस्तकें:

1. भोलानाथ तिवारी , हिंदी भाषा की शब्द सरंचना , साहित्य सहकार , दिल्ली ।
2. भोलानाथ तिवारी , हिंदी भाषा की सरंचना , वाणी प्रकाशन , दिल्ली।
3. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा , हिंदी भाषा का इतिहास , हिन्दुस्तानी अकादमी , इलाहबाद ।
4 .डॉ. जाल्मन दीमान्श्त्श , व्याहारिक हिंदी व्याकरण , राजपाल एंड संज , कश्मीरी गेट , दिल्ली।
5. हरदेव बाहरी, हिंदी : उद्भव , विकास और रूप, किताब महल , इलाहाबाद ।
6. देवेन्द्र नाथ शर्मा तथा रामदेव त्रिपाठी , हिंदी भाषा का विकास , राधाकृषण प्रकाशन , नई दिल्ली ।

7. डॉ. भोलानाथ तिवारी , हिंदी भाषा , किताब महल , इलाहाबाद ।
8. नरेश मिश्र , नागरी लिपि , निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
9. डॉ. हरिमोहन , हिंदी भाषा और कंप्यूटर , तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023–24

Course Code: MHIL-4264

राजभाषा प्रशिक्षण

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 : इकाई एक में प्रशासन –व्यवस्था और भाषा , भाषा की बहुभाषीयता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता ,राज भाषा (कार्यालयी हिंदी) की प्रकृति , राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान , राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक),राष्ट्रपति के आदेश (1952ए,1955 ए,1960)की विस्तृत जानकारी दी जाएगी |

CO-2 : इकाई दो में विद्यार्थी राजभाषा अधिनियमों की जानकारी के साथ हिंदीतर राज्यों और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की भूमिका को जान सकेंगे | हिंदी के प्रचार प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की क्या भूमिका है और हिंदी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या को भी आत्मसात कर सकेंगे |

CO-3 : इकाई तीन में राजभाषा के अनुप्रयोगात्मक पक्ष : हिंदी , आलेखन, टिप्पण , संक्षेपण तथा पत्राचार पर बल दिया जायेगा। हिंदी कंप्यूटरीकरण , हिंदी संकेताक्षर और कूट निर्माण ,हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी परिभाषिक शब्दावली का ज्ञान भी प्राप्त होगा|

CO-4:इकाई चार में केंद्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिंदीकरण की प्रगति ,बैंकिंग , बीमा औरअन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिंदी अनुप्रयोग की स्थिति ,विविध क्षेत्रों में हिंदी ,सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिंदी और देवनागरी लिपि व भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का भविष्य आदि विषयों की विस्तार से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-4264

राजभाषा प्रशिक्षण

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0 TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है| प्रथम भाग अनिवार्य है| इसमें प्रथम इकाई में से चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा| प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा| भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई एक , दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा| प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा|

इकाई -एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

प्रशासन -व्यवस्था और भाषा , भाषा की बहुभाषीयता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता।
राज भाषा (कार्यालयी हिंदी) की प्रकृति , राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान।
राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक)
राष्ट्रपति के आदेश (1952ए, 1955 ए, 1960)

इकाई -दो

राजभाषा अधिनियम1963 , (यथा संशोधित 1967)
राजभाषा संकल्प (1968) , यथानुमोदित (1961)
राजभाषा नियम1976 द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र
हिंदीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिंदी की स्थिति
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी
हिंदी के प्रचार प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की भूमिका
हिंदी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या

इकाई –तीन

राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष : हिंदी , आलेखन, टिप्पण , संक्षेपण तथा पत्राचार ।
कार्यालय अभिलेखों के हिंदी अनुवाद की समस्या
हिंदी कंप्यूटरीकरण
हिंदी संकेताक्षर और कूट निर्माण
हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी परिभाषिक शब्दावली

इकाई –चार

केंद्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिंदीकरण की प्रगति
बैंकिंग , बीमा औरअन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिंदी अनुप्रयोग की स्थिति
विविध क्षेत्रों में हिंदी
सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिंदी और देवनागरी लिपि
भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का भविष्य।

सहायक पुस्तकें:

हरिबाबू जगन्नाथ, संघ की भाषा, केन्द्रीय सचिवालय, हिंदी परिषद् नई दिल्ली ।
राजभाषा अधिनियम, अखिल भारतीय संस्था संघ, नई दिल्ली ।
डॉ. भोलानाथ तिवारी, अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, नई दिल्ली ।
मालिक मुहम्मद, राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
शेरबहादुर झा. संविधान में हिंदी तथा संविधान में राजभाषा सम्बन्धी अनुच्छेद तथा धाराएं, हिन्दी का सामाजिक संदर्भ ।
संपा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. रामनाथ सहाय, हिंदी का सामाजिक संदर्भ, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा ।

डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, संविधान में हिंदी प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, दिल्ली ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-4265

शोध प्रविधि

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: शोधार्थी साहित्य में शोध के लिए तैयार होंगे तथा शोध की परिभाषा जानते हुए इसकी परम्परा का अध्ययन करेंगे।

CO-2:शोध मानव ज्ञान को दिशा प्रदान करने ,व्यावहारिक समस्याओं का समाधान करने में सहायक है | शोधार्थी साहित्यिक शोध की कोटियों का ज्ञान प्राप्त करते हुए इसमें आने वाली समस्याओं का अध्ययन करेंगे |

CO-3:शोध के क्षेत्र में सामग्री संकलन से लेकर समस्याओं के समाधान तक की यात्रा को शोधार्थी तय करने में सक्षम होंगे |

CO-4: इस इकाई के माध्यम से विद्यार्थी पाद टिप्पणी के महत्त्व और विभिन्न प्रकार की सामग्री को प्रस्तुत करने के उदाहरण जान सकेगा | शीर्षकीकरण और उद्धरण देने का सही तरीका क्या है, संदर्भिका तथा अनुक्रमणिका की निर्माण प्रक्रिया को जानने में भी समर्थ होगा |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2023-24

Course Code: MHIL-4265

Course Title: शोध प्रविधि

Total: 80
CA: 16
TH : 64

समय : तीन घंटे
LTP-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है | इसमें प्रथम इकाई में से चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश : इकाई एक , दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा |

इकाई-एक

शोध : अभिप्राय , समानार्थक शब्द, परिभाषा, स्वरूप, शोध कार्य के विभिन्न चरण, हिंदी में शोध कार्य की परम्परा (सोपाधि और निरुपधि शोध के सन्दर्भ में | हिंदी शोध की समस्याएं और प्रस्तावित समाधान |

रूपरेखा निर्माण , शोध प्रबन्ध में भूमिका लेखन |

इकाई-दो

साहित्यिक शोध की कोटियाँ -

वर्णनात्मक / व्याख्यात्मक शोध, तुलनात्मक शोध, सांस्कृतिक शोध, समाजशास्त्रीय शोध, भाषावैज्ञानिक शोध, मनोवैज्ञानिक शोध |

शोध सामग्री संकलन –

सामग्री संकलन के प्राथमिक और द्वितीयक स्रोत , साक्षात्कार:स्वरूप, प्रकार और विधियां , प्रश्नोत्तरी निर्माण |

इकाई-तीन

शोध के प्रकार, डिजिटल युग में शोध,शोध और समीक्षा के सम्बन्ध,शोध प्रविधि-सर्वेक्षण,सामग्री विश्लेषण, केस स्टडी, समूह चर्चा, द्वितीयक आंकड़ो का विश्लेषण ,प्रलेख आधारित शोध और पुस्तकालय शोध |

शोध समस्या और शोध परिकल्पना, शोध प्रारूप:उद्देश्य,भाग, विशेषताएं और निर्धारक तत्व, सामग्री संकलन, विश्लेषण और व्याख्या |

इकाई-चार

पाद टिप्पणी:महत्त्व और विभिन्न प्रकार की सामग्री को प्रस्तुत करने के उदाहरण

शीर्षकीकरण और उद्धरण देने का सही तरीका , संदर्भिका तथा अनुक्रमणिका

सहायक पुस्तकें –

शोध सिद्धांत और व्यवहार ,प्यारा सिंह, पब्लिकेशन ब्यूरो, पटियाला |
हिंदी शोध , रविंदर मिश्र , युगांतर प्रकाशन ,दिल्ली |
शोध स्वरूप एवं मानक व्यवहारिक कार्यविधि , बैजनाथ सिंहल, दि मैकमिलन कंपनी आफ इंडिया लिमिटेड, दिल्ली |
हिंदी शोध : दिशाएं , प्रवृतियां एवं उपलब्धियां, गणेश प्रसाद, महावीर प्रेस , वाराणसी |
हिंदी शोध तंत्र की रूपरेखा , मनमोहन सहगल,पंचशील प्रकाशन, दिल्ली |
हिंदी अनुसन्धान के आयाम, भ.ह. राजूरकर, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली |
शोध प्रविधि , विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली |
अनुसन्धान और आलोचना , नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली |
तुलनात्मक अध्ययन और उसकी समस्याएं ,एस.गुलाब रसूल, हिंदी साहित्य भण्डार |
साहित्यिक शोध के आयाम, शशिभूषण सिंहल,आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली |

Session 2023 -24

Course Code: MHIL - 4266

उत्तर काव्यधारा के संदर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का विशेष अध्ययन

विकल्प–एक

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इकाई एक में गुरु जी की वाणी का व्याख्यात्मक परिचय दिया जायेगा |

CO-2: गुरु काव्य परम्परा में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का वैशिष्ट्य, काव्य एवं दर्शन योगदान का परिचय | गुरु तेगबहादुर जी के काव्य के दार्शनिक चिन्तन के व्याख्यात्मक पक्ष की अनुभूति |

CO-3: गुरु तेगबहादुर जी की वाणी के सांस्कृतिक पक्ष के दर्शन एवं अद्वैत दर्शन का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |

CO-4: इकाई चार में विद्यार्थी गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन ,उनकी वाणी का परवर्ती पंजाब के हिंदी साहित्य पर प्रभाव ,उनकी वाणी की राग योजना एवं उनकी वाणी की प्रगितिशीलता का अध्ययन करेंगे |

Session 2023 - 24

Course Code: MHIL - 4266

विकल्प–**एक**

उत्तर काव्यधारा के संदर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का विशेष अध्ययन

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0 TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है | इसमें चार- चार अंकों के छ: पद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें चार की सप्रसंग व्याख्या करना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा | भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 800शब्दों में देना होगा |

पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तक – वाणी गुरु तेग बहादुर जी, प्रकाशक :शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, अमृतसर ।

इकाई –एक

व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक –वाणी गुरु तेग बहादुर जी

इकाई –दो

गुरु तेग बहादुर :व्यक्तित्व और कृतित्व
गुरु काव्यधारा :परम्परा और विकास
हिंदी साहित्य में गुरु तेग बहादुर जी का स्थान
गुरु तेग बहादुर की वाणी की मूल संवेदना
गुरु तेग बहादुर की वाणी का काव्य दर्शन

इकाई- तीन

गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में गुरमत दर्शन का संकल्प
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी के समाजशास्त्रीय आयाम
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी और भारतीय संस्कृति
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में पौराणिक संदर्भ

इकाई –चार

गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का परवर्ती पंजाब के हिंदी साहित्य पर प्रभाव
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की राग योजना

गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की प्रगितिशीलता

सहायक पुस्तकें:-

1. नवम गुरु पर बारह निबंध , संपा. रमेश कुंतल मेघ , गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर ।
2. गुरु तेग बहादुर : जीवन और आदर्श, डॉ. महीप सिंह, रूप प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. जीवन तथा वाणी गुरु तेग बहादुर, भाषा विभाग पंजाब, पटियाला ।
4. नौ निध, संपा प्रो. प्रीतम सिंह, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर ।
5. गुरु तेग बहादुर जी डा दार्शनिक चिन्तन, कृष्ण गोपाल दास, रूप प्रकाशन, नई दिल्ली।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023- 24

Course Code: MHIL - 4266

हिंदी उपन्यास

विकल्प–दो

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इस प्रश्न पत्र की इकाई-एक में उपन्यासों को पढ़कर विद्यार्थी उसके कथ्य को समझ सकेंगें|

CO-2: 'बाणभट्ट की आत्मकथा'उपन्यास में नारी का चित्रण,चरित्रों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ वे उसमे वर्णित मूल्यों की जानकारी भी प्राप्त करेंगें |

CO-3: अमृतलाल नागर की इस कृति के माध्यम से विद्यार्थी 'बूँद और समुद्र'के कथ्य व भाषा शैली को समझनेमें समर्थ होंगे | इस उपन्यास के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष को भी समझने में सफल होंगें |

CO-4: जगदीश चन्द्र पंजाब के साहित्यकार हैं| 'धरती धन न अपना' उपन्यास के अध्ययन से उपन्यास में वर्णित समस्याओं व कला पक्ष से विद्यार्थी परिचित होगा | पंजाब के उस समय के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष से भी वह परिचित होंगें |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023- 24

Course Code: MHIL - 4266

हिंदी उपन्यास

विकल्प–दो

Total: 80

CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0 TH : 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग कि सप्रसंग व्यख्या करना अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है | इसमें चार- चार अंकों के छ: गद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा | भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा |

इकाई -एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां-

1. 'बाणभट्ट की आत्मकथा', आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।
2. 'बूँद और समुद्र', अमृत लाल नागर, किताब महल, इलाहाबाद।
3. 'धरती धन न अपना' , जगदीश चन्द्र , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

इकाई -दो

उपन्यासकार हज़ारी प्रसाद द्विवेदी : सामान्य परिचय

बाणभट्ट की आत्मकथा की नारी भावना

बाणभट्ट की आत्मकथा : मूल्य चेतना

बाणभट्ट की आत्मकथा – प्रमुख चरित्र –बाणभट्ट, निपुणिका, भट्टिनी ।

इकाई- तीन

-उपन्यासकार अमृतलाल नागर : सामान्य परिचय

बूँद और समुद्र की सामाजिक चेतना

बूँद और समुद्र की भाषा शैली

बूँद और समुद्र का सांस्कृतिक अध्ययन

बूंद और समुद्र की कथ्यगत उपलब्धियां

इकाई -चार

उपन्यासकार जगदीश चन्द्र : सामान्य परिचय

'धरती धन न अपना' में जगदीश चन्द्र का जीवन दर्शन

'धरती धन न अपना' में पंजाब का सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिवेश

धरती धन न अपना : कथ्य तथा समस्याएँ

'धरती धन न अपना' का कलात्मक पक्ष

सहायक पुस्तकें:

1. आज का हिंदी उपन्यास , इन्द्रनाथ मदान , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।

2. हिंदी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा , रामदरश मिश्र , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली।

3. आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिंदी उपन्यास, अतुलवीर अरोड़ा पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ ।

4. जगदीश चन्द्र की उपन्यास यात्रा , डॉ सुधा जितेन्द्र , संजय प्रकाशन, नई दिल्ली ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2023-24
Course Code: MHIL- 4266
निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल
विकल्प–तीन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: चिंतामणि भाग एक दो तीन के सभी निबंधों को पढकर विद्यार्थी शुक्ल जी की दृष्टि से परिचित होंगे|

CO-2: इकाई दो के माध्यम से विद्यार्थी शुक्ल जी से पूर्व निबंध साहित्य के स्वरूप के विषय में जान सकेंगे और शुक्ल जी के दृष्टिकोण से भी ज्ञान प्राप्त करेंगे |आधुनिक काल में हिंदी साहित्य में निबन्ध विधा की क्या स्थिति है,इसके विषय में भी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |

CO-3: इस इकाई में निबंधों का सर्वेक्षण करते हुए निबंधों की कोटियों का सर्वेक्षण किया जाएगा| विद्यार्थी शुक्ल जी के निबन्धों की मूल्य-दृष्टि,उनके वैशिष्ट्य तथा उनके सभी प्रकार के निबंधों की विशेषताओं से लाभान्वित होंगे |

CO-4: इस इकाई के द्वारा विद्यार्थी यह जानने में समर्थ होंगे कि शुक्ल जी पर अपने पूर्ववर्ती निबंधकारों का कय प्रभाव पड़ा और परवर्ती निबंधकार उनसे कैसे प्रभावित हुए |विद्यार्थी शुक्ल जी के निबंधों की भाषा,शैली की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे | इस प्रकार से उनके निबंधों की समीक्षा भी की जाएगी |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2023-24
Course Code: MHIL- 4266
निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल
विकल्प–तीन

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे
LTP-4-0-0 TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है | इसमें चार- चार अंकों के छ: गद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें चार की सप्रसंग व्याख्या करना अनिवार्य होगा| प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा | भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमशः इकाई

दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा| प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा|

इकाई –एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां-
1. चिंतामणि , भाग एक : इंडियन प्रेस , इलाहाबाद (सभी निबंध व्यख्यार्थ निर्धारित हैं)
2. चिंतामणि , भाग दो : सरस्वती मंदिर , वाराणसी (व्यख्यार्थ निबंध: काव्य में अभिव्यंजनावाद)
3. चिंतामणि , भाग तीन : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली (व्यख्यार्थ अनूदित निबंधों को छोडकर शेष सभी निबंध)

इकाई –दो

1. हिंदी साहित्य और निबंध विधा: विशेषतया आधुनिक काल
2. आचार्य शुक्ल से पूर्व हिंदी निबंध साहित्य : भारतेंदु युग , द्विवेदी युग
3. आचार्य शुक्ल और निबंध विधा : स्थान एवं महत्व

इकाई- तीन

1. शुक्ल जी का निबंध साहित्य : वर्गीकरण तथा सर्वेक्षण
2. आचार्य शुक्ल की मूल्य –दृष्टि
3. आचार्य शुक्ल के निबंध – लेखन का वैशिष्ट्य
4. शुक्ल जी के सैध्दान्तिक, व्यावहारिक तथा अन्य निबंधो की विशेषताएं ।

इकाई –चार

1. आचार्य शुक्ल पर पूर्ववर्ती निबंधकारों का प्रभाव और शुक्ल जी की परवर्ती निबंध परम्परा ।
2. आचार्य शुक्ल का निबंध शिल्प भाषा, शैली, शब्द सरंचना , विभिन्न भाषाओं की शब्दावली का प्रयोग ।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित महत्वपूर्ण निबंधों की समीक्षा ।

सहायक पुस्तकें :

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और उनका साहित्य जय चन्द्र राय, भारतीय साहित्य मंदिर , दिल्ली|
2. आचार्य रामचंद्र विचार – कोश , सम्पादक अजित्त कुमार , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली |
3. निबंधकार रामचंद्र शुक्ल, राम लाल सिंह , साहित्य सहयोग ,इलाहाबाद |
4. आचार्य शुक्ल कोश, रामचंद्र तिवारी , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के बहुमुखी कृतित्व का सर्वांगीन विवेचन , संपा - शशिभूषण सिंहल ,ऋषभचरण जैन , दिल्ली|
6. रामचंद्र शुक्ल व्यक्तित्व और साहित्य दृष्टि, संपा. विद्याधर , प्रभा प्रकाशन, इलाहाबाद|
7. . आचार्य रामचंद्र के प्रतिनिधि निबंध ,पांडेय सुधाकर , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली|
8. आचार्य रामचंद्र : रचना और दृष्टि , संपा. विवेकी राय तथा वेद प्रकाश , महेसाना, गिरनार |
9. आचार्य रामचंद्र:संदर्भ और दृष्टि, जगदीश नारायण पंकज ,भवदीय प्रकाशन ,अयोध्या |
10. आचार्य रामचंद्र शुक्ल: निबंधकार , आलोचक और रस मीमांसक , जयनाथ नलिन ,साहित्य संस्थान, दिल्ली |
11. आचार्य रामचंद्र शुक्लऔर उनका साहित्य, जयचंद्र राय, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली|
12. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और चिंतामणि का आलोचानात्मक अध्ययन , राजनाथ शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर , आगरा |
13. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का गद्य साहित्य, अशोक सिंह , लोकभारती, इलाहाबाद ।